।।श्रीमहालक्ष्मी पञ्जर स्तोत्रम्।।

Gurudev Raj Verma

Mob- +91-9897507933

WhatsApp- +91-7500292413

GURUDEV RAJ VERMA
9897507933
7500292413

विनियोगः– ॐ अस्य श्री महालक्ष्मी पञ्जर महामंत्रस्य ब्रह्मा ऋषिः, पक्तिश्छन्दः, श्रीमहालक्ष्मीर्देवता, श्रीं बीजं, स्वाहा शक्तिः, श्रियै इति कीलकं, मम सर्वाभीष्ट सिद्ध्यर्थे लक्ष्मी पञ्जर स्तोत्र जपे विनियोगः।

करन्यासः– ॐ श्रीं ह्रीं विष्णुवल्लभायै अंगुष्ठाभ्यां नमः। ॐ श्रीं ह्रीं जगज्जनन्यै तर्जनीभ्यां नमः। ॐ श्रीं ह्रीं सिद्धिसेवितायै मध्यमाभ्यां नमः। ॐ श्रीं ह्रीं सिद्धिदात्र्यै अनामिकाभ्यां नमः। ॐ श्रीं ह्रीं वाञ्छितपूरिकायै कनिष्ठिकाभ्यां नमः। ॐ श्रीं ह्रीं श्रीं श्रियै नमः स्वाहेति करतल करपृष्ठाभ्यां नमः।

हृदयादिन्यासः– ॐ श्रीं ह्रीं विष्णुवल्लभायै हृदयाय नमः। ॐ श्रीं ह्रीं जगज्जनन्यै शिरसे स्वाहा। ॐ श्रीं ह्रीं सिद्धिसेवितायै शिखायै वषट्। ॐ श्रीं ह्रीं सिद्धिदात्र्यै कवचाय हुं। ॐ श्रीं ह्रीं वाञ्छितपूरिकायै नेत्राभ्यां वौषट्। ॐ श्रीं ह्रीं श्रीं श्रियै नमः स्वाहेत्यस्त्राय फट्।

ध्यानम्– ॐ वन्दे लक्ष्मीं परिशिवमयीं शुद्धजांबूनदाभां। तेजोरूपां कनकवसनां सर्वभूषोज्ज्वलांगीम्।। बीजापूरं कनककलशः हेमपद्मं दधानामाद्यां। शक्तिं भुक्ति सकलजननीं विष्णुवामांकसंस्थाम्।। शरणं त्वां प्रपन्नोऽस्मि महालक्ष्मि हरिप्रिये। प्रसादं कुरु देवेशि मयि दुष्टेऽपराधिनि।। कोटिकन्दर्पलावण्यां सौन्दय्यैकस्वरूपताम्। सर्वमंगल मांगल्यां श्रीरामां शरणं ब्रजे।।

मूलपाठ– ॐ श्रीं ह्रीं ऐं क्लीं नमो विष्णुवल्लभायै महामायायै कं खं गं घं डं नमस्ते नमस्ते मां पाहि पाहि रक्ष रक्ष धनं धान्यं श्रियं समृद्धि देहि देहि श्रीं श्रियै नमः स्वाहा।

ॐ श्रीं ह्रीं ऐं क्लीं नमो जगज्जनन्यै वात्सल्यनिधये चं छं जं झं ञं नमस्ते नमस्ते मां पाहि पाहि रक्ष रक्ष श्रियं प्रतिष्ठां वाक्सिद्धि मे देहि देहि श्रीं श्रियै नमः स्वाहा।

ॐ श्रीं ह्रीं ऐं क्लीं नमः सिद्धि सेवितायै सकलाभीष्टदान दीक्षितायै टं ठं डं ढं णं नमस्ते नमस्ते मां पाहि पाहि रक्ष रक्ष सर्वतो अभयं देहि देहि श्रीं श्रियै नमः स्वाहा।

ॐ श्रीं ह्रीं ऐं क्लीं नमः सिद्धिदात्र्यै महा अचिन्त्य शक्तिकायै तं थं दं धं नं नमस्ते नमस्ते मां पाहि पाहि रक्ष रक्ष मे सर्वाभीष्ट सिद्धिं देहि देहि श्रीं श्रिये नमः स्वाहा।

ॐ श्रीं ह्रीं ऐं क्लीं नमो वांछितपूरिकायै सर्वसिद्धि मूलभूतायै पं फं बं भं मं नमस्ते नमस्ते मां पाहि पाहि रक्ष रक्ष मे मनोवांछितां सर्वार्थभूतां सिद्धिं देहि देहि श्रीं श्रियै नमः स्वाहा।

ॐ श्रीं ह्रीं ऐं क्लीं कमले कमलालये मह्यम प्रसीद प्रसीद महालक्ष्मि तुभ्यं नमो नमस्ते जगद्धितायै यं रं लं वं शं षं सं हं क्षं नमस्ते नमस्ते मां पाहि पाहि रक्ष रक्ष मे वश्याकर्षण मोहन स्तम्भन उच्चाटन ताडन अचिन्त्य शक्ति वैभवं देहि देहि श्रीं श्रियै नमः स्वाहा।

ॐ श्रीं ह्रीं ऐं क्लीं धात्र्यै नमः स्वाहा। ॐ श्रीं ह्रीं ऐं क्लीं श्रीं बीजरूपायै नमः स्वाहा। ॐ श्रीं ह्रीं ऐं क्लीं विष्णुवल्लभायै नमः स्वाहा। ॐ श्रीं ह्रीं ऐं क्लीं सिद्धयै नमः स्वाहा। ॐ श्रीं ह्रीं ऐं क्लीं बुद्धयै नमः स्वाहा। ॐ श्रीं ह्रीं ऐं क्लीं धृत्यै नमः स्वाहा। ॐ श्रीं ह्रीं ऐं क्लीं मत्यै नमः स्वाहा। ॐ श्रीं ह्रीं ऐं क्लीं कान्त्यै नमः स्वाहा। ॐ श्रीं ह्रीं ऐं क्लीं शान्त्यै नमः स्वाहा। ॐ श्रीं ह्रीं ऐं क्लीं सर्वतोभद्ररूपायै नमः स्वाहा। ॐ श्रीं ह्रीं ऐं क्लीं श्रीं श्रियै नमः स्वाहा। ॐ नमो भगवति ब्रह्मादि वेदमातर्वेदोद्भवे वेदगर्भे सर्वशक्तिशिरोमणे श्रीं हरिवल्लभे ममाभीष्टं पूरय पूरय मां सिद्धिभाजनं कुरु कुरु अमृतं कुरु कुरु अभयं कुरु कुरु सर्व कार्येषु ज्वल ज्वल प्रज्वल प्रज्वल मे सुतशक्तिं दीपय दीपय मम अहितान् नाशय नाशय असाध्य कार्यं साधय साधय ह्रीं ह्रीं ह्रीं ग्लौं ग्लौं ग्लौं श्रीं श्रियै नमः स्वाहा।

GURUDEV RAJ VERMA
9897507933
7500292413

महालक्ष्मी की कृपा प्राप्ति हेतु पंजरस्तोत्र के पूर्णिमा अथवा अष्टमी तिथि अथवा शुक्रवार के दिन विधिवत 108 पाठ कर सिद्ध कर लेना चाहिये। इसके उपरान्त् 11 पाठ सुबह और रात्रिकालमें नित्य करने से घोर दरिद्रता का नाश होकर धन धान्य का आगमन होता है। देवी महालक्ष्मी के साथ श्रीहरि एवं गणपति पूजन करना आवश्यक होता है। प्रत्येक शुक्रवार को लक्ष्मी जी के मन्दिरमें ऋतु अनुसार उत्तम फल अर्पित करने से विशेष लाभ मिलता है।

GURUDEV RAJ VERMA
9897507933
7500292413